डॉ.अर्जुन चव्हाण
एम.ए.,बी.एड.,पीएच.डी.
अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004

संस्तुति पत्र

मैं संस्तुति करता हूँ कि श्री.संतोष वसंत कोळेकर द्वारा लिखित 'मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में दलित चेतना' लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए |

स्थान : कोल्हापुर.
तिथि : 26 DEC 2007

26.12.07

(डॉ.अर्जुन चव्हाण)

Head
Dept. of Hindi,
Shivaji University
Kolhapur-416004

डॉ. सुलोचना न अंतरेड्डी
एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.
अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
डी.आर.माने कॉलेज,
कागल -

प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करती हूँ कि श्री. संतोष वसंत कोळेकर ने मेरे निर्देशन में 'मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में दलित चेतना' यह लघु शोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए लिखा है | पूर्व योजना के अनुसार संपन्न इस शोध कार्य में शोधार्थी ने मेरे सुझावों का पूर्णत: पालन किया है | जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं | प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करती हूँ |

स्थान : कोल्हापुर
तिथि : 26 DEC 2007

शोध निर्देशक

(डॉ. सुलोचना न. अंतरेड्डी)

DR.SULOCHANA N.ANTREDDY
M.A.,ph.D
Head.Department of Hindi.
D.R.Mane Mahavidyalaya Kagal,
Kolhapur-416 216

प्रख्यापन

"मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में दलित चेतना" यह लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है | यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गयी है |

स्थान : कोल्हापुर

तिथि : 26 DEC 2007

शोध छात्र

(श्री. संतोष वसंत कोळेकर)